ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 30-12-2022

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-12-30 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-12-31	2023-01-01	2023-01-02	2023-01-03	2023-01-04
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	21.0	20.0	18.0	18.0	18.0
न्यूनतम तापमान(से.)	4.0	3.0	4.0	4.0	4.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	85	85	80	75	75
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	35	35	35	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	6.0	6.0	6.0	6.0
पवन दिशा (डिग्री)	320	320	320	320	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	1	2	0	1

मौसम सारांश / चेतावनी:

विगत सात दिनों (23 - 29 दिसम्बर , 2022) में 0.0 मिमी वर्षा हुई व आसमान साफ रहा। अधिकतम तापमान 11.0 से 24.5 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 3.9 से 6.4 डि0से0 के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 86 से 97 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 40 से 92 प्रतिशत एवं हवा 0.8 से 5.5 कि0मी0 प्रति घंटा की गति से मुख्यतः पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम व पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से चली| आगामी पांच दिनों में, वर्षा की सम्भवना नहीं है। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 18.0-21.0 व 3.0 - 4.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 6.0 किमी/घंटे की गति से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है।

सामान्य सलाहकार:

आईएमडी मौसम पूर्वानुमान और आपके स्थान की कृषि मौसम संबंधी सलाह अब मेघदूत मोबाइल ऐप पर अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है। कृपया निम्न लिंक से डाउनलोड करें: एंड्रॉ यड: https://play.google.com/store/apps/details?id=com.aas.meghdoot आईओएस: https://apps.apple.com/in/app/meghdoot/id1474048155 इसरो-आईएम डी की वनस्पति सूचना प्रणाली द्वारा प्राप्त एनडीवीआई जो कि 0.2 से 0.4 के बीच है, जिले में वनस्पति/कृषि की प्रारम्भिक अवस्था को दर्शाता है। किसान भाई नए बागों को पाले से बचाव के लिए सिंचाई करें तथा फसलों में आवश्यकतानुसार निराई गुड़ाईए सिंचाई एवं पोषक तत्वों का प्रबन्धन करें।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में, मौसम साफ रहेगा। किसान भाई फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	जनवरी माह में गेहूँ की बुवाई न करें क्योंकि जनवरी माह में गेहूँ की बुवाई करने पर 60-65 कि0ग्रा0/है0/ दिन की दर से कमी आती है तथा फसल पकने के समय गर्म हवा चलने से गेहूँ के दाने बहुत ही पतले हो जाते है। खेत में खड़े गेहूँ की फसल में पहली सिंचाई बुवाई के 20-25 दिन बाद ताजा मूल जड़ अवस्था पर तथा दूसरी सिंचाई 40-45 दिन की अवस्था पर कल्ले निकलते समय करें।
जौ	विलम्भ से बोई गई फसल में बुवाई के 25-30 दिन बाद निराई-गुड़ाई कर खरपतवार निकाल लें तथा आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
गन्ना	पाले से बचाव हेतु खड़ी नौलख गन्ने की फसल में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। अगेती नौलख गन्ने की फसल की कटाई, इस समय कम तानमान पर न करें। अन्यथा इससे पेड़ी गन्ने में फुटाव कम होता है तथा पेड़ी का उपज कम प्राप्त होता है।
सरसों	सरसों में माहु का प्रकोप होने पर थियामेथोक्जाम 25 डब्लूएसजी 50-100 ग्रा0 प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करे। इसकी प्रतीक्षा अवधि 21 दिन है।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	प्याज की रोपाई 15 जनवरी तक करें। रोपाई कतारो में 15 सेमी की दूरी पर 10 सेमी पर पौध से पौध की दूरी रखकर करें।
गोभी	गोभी वर्गीय सब्जियो में पत्ती धब्बा रोग के नियत्रंण हेतु मैन्कोजेब का 2.5 ग्रा0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करे।
आलू	आलू की फसल में पछेती झुलसा रोग के प्रकोप से बचाव हेतु मैनकोजेब 2.5 ग्रा0/ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करे।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	सरदी से बचाव के लिए पशुघर का प्रबंध ठीक से करें। पशुओं के बैठने का स्थान समतल होता चाहिए जिससे उनकी उत्पादन क्षमता प्रभावित न हो तथा इस समय नवजात पशुओं के रख-रखाव पर विशेष ध्यान दें। पशुओं को ठंड से बचाव हेतु सूखी घास, पुवाल जो जानवरों के खाने के उपयोग में नहीं आती को बिछावन के रूप में प्रयोग करें। खिड़की दरवाजों पर त्रिपाल लगा दें ताकि ठंडी हवा प्रवेश न करें। ठंड में पशुओं के आहार में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। अधिक ठंड की स्थिति में पशुओं को अजवाइन और गुड़ दें।
गाय	सरदी से बचाव के लिए पशुघर का प्रबंध ठीक से करें। ठंड में पशुओं के आहार में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। अधिक ठंड की स्थिति में पशुओं को अजवाइन और गुड़ दें। पहाड़ी क्षेत्रों में पशुशाला में गर्मी हेतु हीटर का उपयोग करें। तथा अंगेठी का उपयोग धुंआँ निकलने के बाद कर सकते हैं।